



Mr.



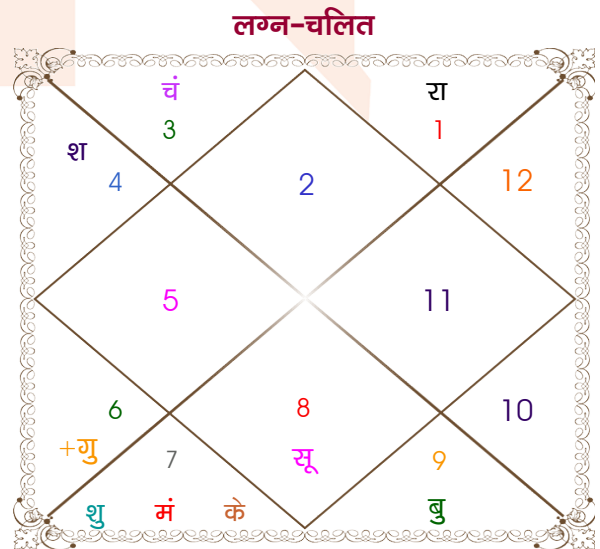
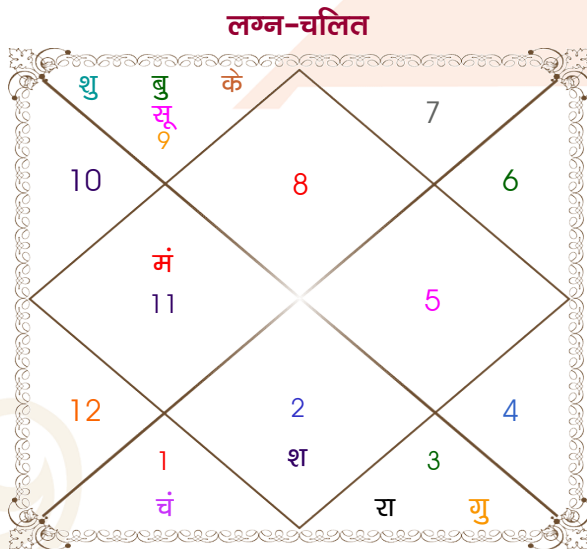
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121643402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 24-25/12/2001 : _____ जन्म तिथि _____ : 29/11/2004
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 04:47:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:10:00 घंटे
 घटी 54:01:15 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 25:38:51 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Noida : _____ स्थान _____ : Noida
 28:40:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:40:00 उत्तर
 77:26:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:16 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:20:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:10:29 : _____ सूर्योदय _____ : 06:54:27
 17:29:54 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:22:54
 23:52:48 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:55:23

विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 7मा 26दि शुक्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 9वर्ष 9मा 3दि गुरु
22/08/2007	06:49:48	वृश्चि	लग्न	वृष	11:21:56	03/09/2014
22/08/2027	09:20:32	धनु	सूर्य	वृश्चि	13:40:32	03/09/2030
	02:33:35	मेष	चंद्र	मिथु	12:46:16	
	17:51:18	कुंभ	मंगल	तुला	18:17:31	
शुक्र	21/12/2010	20:37:33	धनु	धनु	02:44:08	गुरु
सूर्य	21/12/2011	17:43:59	मिथु व	कन्या	19:03:59	शनि
चन्द्र	21/08/2013	04:26:06	धनु	तुला	14:38:25	बुध
मंगल	21/10/2014	15:55:12	वृष व	कर्क	03:00:16	केतु
राहु	21/10/2017	03:16:13	मिथु	मेष	07:42:32	शुक्र
गुरु	21/06/2020	03:16:13	धनु	तुला	07:42:32	सूर्य
शनि	22/08/2023	28:15:57	मक	कुंभ	09:04:59	चन्द्र
बुध	21/06/2026	13:19:39	मक	नेप	19:02:49	मंगल
केतु	22/08/2027	21:54:01	वृश्चि	प्लूटो	27:35:13	राहु



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।